पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने पुस्तक 'अविनाशी ज्ञान' का विमोचन किया

लखनऊः 15 अक्टूबर, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने श्री बलराम नरूला द्वारा गीता के श्लोकों पर आधारित पुस्तक 'अविनाशी ज्ञान' का आज राजभवन में विमोचन किया। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री हेमन्त राव, लेखक श्री बलराम नरूला व अन्य अतिथिगण उपस्थित थे।

राज्यपाल ने विमोचन के उपरान्त अपने विचार रखते हुये कहा कि नवरात्रि के पर्व में ज्ञान की आराधना बड़ी बात है। ज्ञान ऐसी सम्पदा है जिसकी चोरी नहीं होती, बल्कि बांटने पर यह और बढ़ता है। ज्ञान अविनाशी होता है इसलिये नष्ट भी नहीं हो सकता है। ज्ञान का भण्डार चाहे जितना ज्यादा हो उस पर कोई कर भी नहीं लगा सकता। उन्होंने कहा कि गीता ज्ञान का भण्डार है जिसमें कर्म पर जोर देते हुये फल की इच्छा न करने को कहा गया है।

श्री नाईक ने कहा कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने रंगून में जेल में रहते हुये 'गीता रहस्य' ग्रंथ का लेखन किया। देश आजाद हो इसके लिए हर आदमी को जागृत करने के लिए बालगंगाधर ने गणपति महोत्सव एवं छत्रपति शिवाजी उत्सव का सार्वजनिक रूप से आयोजन प्रारम्भ किया। इसी दृष्टि से उन्होंने दैनिक 'केसरी' मराठी में तथा अंग्रेजी में 'मराठा' जैसे समाचार पत्र भी प्रारम्भ किए। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने सजा के तौर पर लोकमान्य तिलक को रंगून की जेल भेजा, पर वहाँ भी उन्होंने ज्ञान के भण्डार गीता पर काम किया।

अंजुम/ललित/राजभवन (399/24)